फिल्मों और दूरदर्शन धारावाहिकों के नाम जिन्हें प्रसारित किया गया है संलग्न विवरण में दिए गए हैं । (नीचे देखिए)

(ग) यह समझा गया कि इन कार्यक्रमों से लोगों को संबंधित मुद्दों को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली है ।

(घ) इस कार्यक्रम के प्रसारण के लिए किसी नियत समय का आबंटन नहीं किया गया है । तथापि, इन कार्यक्रमों को सामान्यतया दर्शकों के लिए सुविधाजनक समय में प्रसारित किया जाता । दूरदर्शन व इन कार्यक्रमों के दर्शकों की संख्या का निधारण करने के लिए कोई विशिष्ट सर्वेक्षण नहीं कराया है ।

विवरण

टैली फिल्में :

1. अपनी-अपनी लड़ाई
2. नई सुबह
3. तपिश
4. बागी की बेटी
5. सब दिन एक दिन
6. चमन का फूल
7. तलाश
8. सरसों के फूल
9. होश
10. अपना सपना
11. सांझीवाल
12. संशय
13. पांच दरिया
14. पिंड जागदा है
15. गुमराह
16. सांझी कन्ध (सांझी दीवार)

धारावाहिक

1. एहो हमारा जीवणा
2. चोलो दामन
3. सांझा चूल्हा
4. दिल दरिया
5. दरार
6. हमला
7. शार्ट स्टोरी आफ पंजाबी राइटर्स
8. दास्ताने पंजाब
9 सिड़ियों का चम्बा

दूरदर्शन का "पत्रिका" कार्यक्रम

247. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दूरदर्शन द्वारा दूरदर्शन पर दिखाया जाने वाला "पत्रिका' कार्यक्रम अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम है ; क्योंकि इसमें सीधे ही उन लोगों के साथ विचारों का आदान प्रदान किया जाता जो प्रतिभा सम्पन्न हैं और सृजनात्मक कार्य करने की क्षमता रखते हैं ;

(ख) यदि हां, तो दूरदर्शन पर इस कार्यक्रम को कब से दिखाया जा रहा है और पिछले पांच वर्षों के दौरान कितने प्रतिशत लोगों ने इस कार्यक्रम को देखा है ; और

(ग) इस कार्यक्रम के निर्माण पर कितनी धनराशि व्यय की जाती और इसमें भाग लने वाले लोगों को पारिश्रमिक के रूप में कितनी धनराशि का भुगतान किया जाता है ?

•

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र): (क) और (ख) पत्रिका कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण साहित्यिक पत्रिका कार्यक्रम है जो दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली द्वारा हिंदी में प्रसारित किया जा रहा है तथापि इसके दर्शकों की संख्या केवल 1 से 2 प्रतिशत है ।

(ग) इस कार्यक्रम के निर्माण पर होने वाला व्यय, कई बातों पर निर्भर करता है जैसे स्थल शूटिंग, भाग लेने वालों को दिया जाने वाला पारिश्रमिक, अपेक्षित शोध सामग्री आदि । भाग लेने वाले विशेषज्ञों को दिया जाने वाला पारिश्रमिक अनिवार्यता साहित्यिक क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा पर निर्भर करता है। आमतौर पर यह राशि 250/- रुपये से 500/- रुपये तक होती है लेकिन ऐसे भी अवसर आये हैं जब सुपात्र व्यक्तियों को इससे अधिक पारिश्रमिक भी दिया गया । विशेषज्ञों को नियमों के अधीन अनुज्ञेय यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता भी दिया जाता है ।

Massive arms purchase by Pakistan

248. SHRI GHUFRAN AZAM:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI MAHENDRA PRASAD:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Pakistan is going for a massive arms purchase seeking the latest variety of weaponary;

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) what further steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Government keep a constant watch on all developments having a bearing on India's security and take all necessary measures to safeguard it.

India's protest on the establishment of a provisional Government in Pakistan-occupied Kashmir

249. CHOWDHRY HARI SINGH: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have registered any protest with the Government of Pakistan on establishing Jammu and Kashmir provisional Government and its headquarters in Pakistan-occupied Kashmir;

(b) if so, what is the Pakistan Government's reaction about the establishment of such illegal Government; and

(c) whether the High Commissioner of India in Pakistan had informed the Government of India about this development in Pakistan?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) India's concern in the matter has been conveyed to the Government of Pakistan.

(b) Government of Pakistan has dissociated itself from the declaration of the establishment of the so called "Provisional Government of the Independent State of Jammu and Kashmir".

(c) Yes, Sir.

Disruption of Telecommunications service in the country due to agitation of Engineers

250. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Telecommunications service in the country has been disrupted due to agitation of Engineers demanding for implementation of an agreement signed six months back; and

(b) if so, what action has been taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) There was a memorandum of understanding between Junior Telecom Officers' Association and Telecom Engineering Service Association and the Telecom Commission signed in the month of November, 1989. However, the approval of the Government was required before the implementation of the Memorandum. It is a fact that the Telecom Services were disrupted at the end of May, 90 due to agitation by the Junior Telecom Engineers in support of their demands.